भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या – 2075

दिनांक 31.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

कनाडा के साथ द्विपक्षीय संबंध

2075. डॉ. गणपथी राजकुमार पी:

श्री तमिलसेल्वन थंगा:

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत और कनाडा ने हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है तथा पिछले कुछ वर्षों के कठिन दौर के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से शुरू/सुदृढ़ करने में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत और कनाडा के प्रधान मंत्रियों ने जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की तथा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में आई सकारात्मक पहल का स्वागत किया और यदि हां, तो
तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौते के कब तक लागू होने की संभावना है; और

(घ) दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की मुख्य विशेषताएं क्या हैं तथा इस समझौते से भारत को प्राप्त होने वाले संभावित लाभों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क से घ) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 16 जून 2026 को फ्रांस के एवियन में जी–7 शिखर सम्मेलन के दौरान कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत–कनाडा संबंधों में आई

सकारात्मक गति का स्वागत किया और जून 2025 में सामान्यीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद से हासिल की गई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें दोनों देशों की राजधानी में अपने–अपने उच्चायुक्तों की वापसी, मिशन कर्मियों की क्रमिक बहाली, विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय वार्ता तंत्र की बहाली और नए सिरे से उच्च स्तरीय आदान–प्रदान शामिल हैं।

प्रस्तावित भारत–कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सी ई पी ए)का उद्देश्य, शुल्क (टैरिफ) और अन्य प्रतिबंधात्मक नियमों को समाप्त या कम करके एक मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करना, वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को उत्तरोत्तर उदार बनाना, एक अधिक उदार, पारदर्शी, प्रत्याशित और सुविधाजनक व्यापार एवं निवेश व्यवस्था को बढ़ावा देना और आर्थिक सहयोग तथा लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना है।

सीईपीए वार्ता के अब तक तीन दौर हो चुके हैं, जिसमें नवीनतम दौर 6–10 जुलाई 2026 तक ओटावा में आयोजित हुआ था। दोनों पक्षों द्वारा 2026 के अंत तक इस प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में काम करने के साथ, कई वार्ता ट्रैक पर प्रगति हुई है।

*****